भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4076
10.08.2018 को उत्तर के लिए

हिंडाल्को कंपनी के कारण प्रदूषण

4076. श्री विजय कुमार हांसदाक:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रांची के मुरी में हिंडाल्को कंपनी द्वारा किए जा रहे प्रदूषण के संबंध में सरकार को किसी जनप्रतिनिधि से पत्र प्राप्त हुआ है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार ने इस पर क्या कार्रवाई की है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(डॉ. महेश शर्मा)

(क) और (ख) मंत्रालय में माननीय संसद सदस्य श्री विजय कुमार हांसदाक से एक अभ्यावेदन, दिनांक 09.08.2017 प्राप्त हुआ था, जिसमें लाल कीचड़ (बाक्साइट अवशेष) प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और मैसर्स हिंडालकों इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुरी वर्क्स रांची द्वारा अशोधित औद्योगिक बहि:स्रावों को सुबर्नरेखा नदी में छोड़े जाने का उल्लेख किया गया था।

लाल कीचड़ प्रबंधन के मुद्दे का समाधान करने के लिए केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने उक्त इकाई को मई 2015 में अन्य बातों के साथ-साथ केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ), रूड़की और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मुम्बई द्वारा की कई सिफारिशों के अनुसार पुश्तों को मजबूत करने और लाल कीचड़ तालाब (आरएमपी) की क्षमता को बढ़ाने का निदेश दिया था। अक्तूबर, 2017 में इकाई द्वारा उपर्युक्त कार्य के पूरा होने की सूचना दी गई थी। सीपीसीबी द्वारा 05.10.2017 को जब इकाई का निरीक्षण किया गया तो बहि:स्राव के रिसाव/बगल से उसे बाहर निकलते देखा गया। सीपीसीबी द्वारा 07.11.2017 को इकाई को तब तक बंद रखने के निदेश जारी किये गए जब तक कमियों को दुरूस्त नहीं कर दिया जाता। इकाई ने नवम्बर, 2017 में बंद किये जाने के निदेशों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी जांच 24-25 नवंबर, 2017 को सीपीसीबी के दल द्वारा निरीक्षण के माध्यम से की गई। इकाई द्वारा रिसावों और अशोधित बहि:स्रावों को सीधे सुबर्नरेखा नदी में छोड़े जाने से रोकने के लिए की गई व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए सीपीसीबी द्वारा 20.12.2017 को कतिपय शर्तों के साथ इकाई को बंद किए जाने संबंधी निदेश को निरस्त कर दिया गया। मंत्रालय को माननीय संसद सदस्य से इस मामले में एक अन्य अभ्यावेदन दिनांक 13.07.2018 को प्राप्त हुआ है।

*****